प्रेस विज्ञप्ति

सुरक्षा सेवा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय सेमीनार का आयोजन

जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिकता ज़रूरी – रामफल पवार

आंतरिक गुणों एवं शक्तियों की जागृति से ही कार्य क्षमता का विकास संभव- पी.के.अग्रवाल

04 जनवरी 2020, गुरूग्राम

ब्रह्माकुमारीज़ के भौडाकलां स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में देश की सुरक्षा सेवाओं से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय सेमीनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के महानिदेशक रामफल पवार ने कहा कि जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक ज्ञान बहुत ज़रूरी है। प्रेरक नेतृत्व एवं आत्म-सशक्तिकरण विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं के परिवर्तन से ही हम दूसरों को प्रेरणा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं काफी समय से राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि राजयोग से मैंने क्रोध को काफी हद तक नियंत्रित किया है। साथ ही संबंध भी काफी बेहतर हुए हैं।

रेलवे सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक पी.के.अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए आपसी संबंधों का बेहतर होना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि आंतरिक गुणों की जागृति से ही कार्य करने की क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि तनावमुक्त जीवन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन ज़रूरी है।

इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बी.के.बृजमोहन ने कहा कि कोई भी कार्य जब हम अपनी सीमित शक्ति के साथ करते हैं तो उसके परिणाम भी सीमित ही आते हैं। परमात्मा जो कि ऊर्जा का असीमित भण्डार है, उसके साथ जुड़ने से हर कार्य सहज हो जाता है। उन्होंने कहा कि बिना भयमुक्त हुए हम तनावमुक्त नहीं हो सकते। भय का मूल कारण स्वयं के अस्तित्व की जानकारी न होना है। उन्होंने कहा कि हम स्वयं को प्रकृति से जनित एक शरीर मानकर चलते हैं। शरीर विनाशी होने के कारण मन में सदैव उसके चले जाने का भय बना रहता है। जबकि वास्तविक स्वरूप में हम एक अविनाशी आत्मा हैं। आत्मिक स्वरूप की अनुभूति से ही भय समाप्त हो सकता है।

ओ.आर.सी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि सच्चा लीडर वो है जो अपने जीवन से दूसरों को प्रेरित करता है। असली लीडर वही है जिसकी कथनी और करनी समान हो।

संस्था के सुरक्षा सेवा प्रभाग की उपाध्यक्षा बी.के.शुक्ला दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आध्यात्मिकता हमें आपसी सद्भाव सिखाती है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही जीवन में स्नेह और सहयोग की भावना पैदा होती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता हमें सत्य का बोध कराती है।

माउन्ट से पधारे संस्था के सुरक्षा सेवा प्रभाग के अध्यक्ष बी.के.अशोक गाबा ने सुरक्षा प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी दी। भारतीय नौ सेना के कमाण्डर बी.के.शिव सिंह ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्था का परिचय देते हुए, संस्था द्वारा विश्वभर की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत कर्नल बी.के.सती ने किया। कार्यक्रम में तीनों सेनाओं सहित अर्धसैनिक एवं राज्य पुलिस बलों के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की।

कैप्शन :-1. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए एनसीआरबी के महानिदेशक रामफल पवार, रेलवे सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक पी.के.अग्रवाल, बी.के.बृजमोहन, बी.के.आशा, बी.के.शुक्ला, बी.के.अशोक गाबा, बी.के.सती एवं अन्य।

2. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए एनसीआरबी के महानिदेशक रामफल पवार।
3. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए रेलवे सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक पी.के.अग्रवाल।
4. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.के.बृजमोहन जी।
5. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.के.आशा दीदी।
6. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.केशुक्ला दीदी।
7. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.के.अशोक गाबा।
8. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.के.शिव सिंह।
9. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बी.के.सती।
10. ब्रह्माकुमारीज़ के ओ.आर.सी में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं अन्य।